# समाचार वाणी

## ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Tuesday, 18 August 2026


# मई 2025 मे GST से हुई बंपर कमाई, सरकार को मिले ₹2.01 लाख करोड़, राज्यों की हिस्सेदारी मे भी इज़ाफा।


Publisher

Published on 02 Jun 2025

## अप्रैल के मुकाबले संग्रहण मे गिरावट, लेकिन सालाना आधार पर 16.4% की जबरदस्त वृद्धि ; घरेलू और आयात लेनदेन मे तेजी।

**नई दिल्ली :** वित्त मंत्रालय ने **मई 2025** के लिए **वस्तु एवं सेवा कर (GST)** संग्रहण के आंकड़े जारी कर दिए हैं। ताजा आंकड़ों के मुताबिक इस महीने सरकार को **₹2.01 लाख करोड़** की रिकॉर्ड **GST** कमाई हुई है। यह **पिछले वर्ष की तुलना मे 16.4%** अधिक है, हालांकि अप्रैल 2025 में यह आंकड़ा **₹2.37 लाख करोड़** था, जो अब तक का सबसे ऊंचा स्तर था।

**केद्रं और राज्यों को मिला कितना राजस्व ?**

सरकारी रिपोर्ट के अनुसार, मई 2025 में:

१. **केद्रं सरकार को प्राप्त हुआ : ₹35,434 करोड़**

२. **राज्य सरकारों को मिला : ₹43,902 करोड़**

३. **IGST (इंटीग्रेटेड GST): ₹1.09 लाख करोड़**

४. **उपकर (Cess): ₹12,879 करोड़**

इस आंकड़े से स्पष्ट है कि आर्थिक गतिविधियों में निरंतर सुधार हो रहा है और देश का कर ढांचा सशक्त होता जा रहा है।

**घरेलू और आयात लेनदेन मे वृद्धि**

१. **घरेलू लेनदेन से प्राप्त GST: ₹1.50 लाख करोड़ (13.7% वृद्धि)**

२. **आयात से प्राप्त GST: ₹51,266 करोड़ (25.2% वृद्धि)**
इससे यह साफ है कि घरेलू खपत और आयात — दोनों में ही उल्लेखनीय सुधार हुआ है, जो कर संग्रहण को गति दे रहे हैं।

**रिफंड मे आई मामूली गिरावट**
१. **मई 2025 मे जारी किया गया GST रिफंड : ₹27,210 करोड़**
२. **सालाना आधार पर रिफंड मे 4% की गिरावट**
३. **नेट GST कलेक्शन (रिफंड घटाकर): ₹1.74 लाख करोड़ (20.4% सालाना वृद्धि)**

**राज्यवार प्रदर्शन : किन राज्यों ने मारी बाज़ी ?**
१. **महाराष्ट्र, कर्नाटक, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल मे GST संग्रहण मे 17% से 25% तक की वृद्धि देखी गई**।
२. **गुजरात, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना मे वृद्धि केवल 6% रही**।
३. **मध्य प्रदेश, राजस्थान, पंजाब और हरियाणा जैसे राज्यों मे औसतन 10% वृद्धि दर्ज की गई**।
इससे यह संकेत मिलता है कि कुछ राज्य तेजी से आर्थिक गति पकड़ रहे हैं, जबकि कुछ राज्यों की रिकवरी अभी धीमी बनी हुई है।

**विशेषज्ञों की राय**
आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है कि लगातार बढ़ रहा **GST कलेक्शन केंद्र** और **राज्य सरकारों** को अधिक विकास फंड देने में मदद करेगा। साथ ही इससे **इन्फ्रास्ट्रक्चर, स्वास्थ्य** और **शिक्षा** जैसे क्षेत्रों में निवेश बढ़ाने का रास्ता भी साफ होगा।

**टैक्स बेस और अनुपालन मे सुधार**
**वित्त मंत्रालय** ने यह भी बताया कि यह आंकड़ा सिर्फ आर्थिक रिकवरी नहीं बल्कि कर **अनुपालन** और **प्रशासन** की दक्षता को भी दर्शाता है। **डिजिटल प्रणाली, GST पोर्टल** की मजबूती और **ई-इनवॉयस** जैसी तकनीकों से पारदर्शिता और कुशलता में सुधार हुआ है।

ऐसी ही देश और दुनिया की बड़ी खबरों के लिए फॉलो करें: www.samacharwani.com

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.